# अनुक्रमणिका


प्राक्कथन ... ...क

प्रकाशकीय वक्तव्य ... ...च

सम्पादकीय ... ...ट


# हिन्दी भाग

## प्रथम खण्ड

( व्यक्तित्व, कृतित्व, संस्मरण एवं श्रद्धाञ्जलियाँ )


१. ऐसे उपकारी जीवन को श्रद्धा सहित प्रणाम, (कविता)
कल्याण कुमार जैन 'शशि' .... .... २

२. उदारमना श्री बाबू छोटेलाल जी जैन
बन्शीधर शास्त्री .... ... ३

३. प्रेरणादीप बाबू छोटेलाल जी
डा० ज्योतिप्रसाद जैन .... .... ११

४. बाबू छोटेलाल जी : मूक साधक
डा० प्रेमसागर जैन .... .... १३

५. चमन में इनसे इबरत है
नेमीचन्द्र शास्त्री .... .... १६

६. श्रद्धास्पद बाबूजी
नीरज जैन .... .... २२

७. बयाना जैन समाज को बाबूजी का अपूर्व सहयोग
कपूरचन्द्र नरपत्येला .... .... २४

८. बाबू छोटेलाल जी और स्याद्वाद महाविद्यालय
कैलाशचन्द्र शास्त्री, वाराणसी .... .... २८

९. बाबूजी की मधुर स्मृतियां
स्वामी सत्यभक्त .... .... २९

१०. पुरातत्त्व प्रेमी बाबूजी
शारदा प्रसाद .... .... ३०

११ स्मरणाञ्जलि
डा० राजाराम जैन .... ... ३३
१२. मनीषी बाबू छोटेलाल जी (कविता)
नेमीचन्द पटोलिया ... ... ३५
१३. बाबूजी
✓ पं० चैनसुखदास न्यायतीर्थ ... .... ३६
१४. एक सहज प्रेरक व्यक्तित्व
डा० देवेन्द्रकुमार शास्त्री ... .... ३८
१५. पुरातत्त्व वेत्ता श्री बाबूजी
पं० नन्हेलाल शास्त्री ... .... ४०
१६. आदर्श व्यक्तित्व के प्रतीक
विमल कुमार जैन ... .... ४१
१७. तीन पुश्त का सम्पर्क
सुबोध कुमार जैन .... .... ४२
१८. श्रद्धेय बाबूजी
सुरेन्द्र गोयल ... ... ४३
१९. श्री बाबू छोटेलाल जी—एक मूक सेवक
भँवरलाल न्यायतीर्थ .... .... ४५
२०. बाबूजी की अमर सेवाएँ
सत्यंधर कुमार सेठी .... .... ४७
२१. बाबूजी का वीर सेवा मंदिर को योगदान
प्रेमचन्द जैन, बी० ए० .... .... ४८
२२. बाबू छोटेलाल जी और उनका व्यक्तित्व
श्री स्वतन्त्र, सूरत .... .... ५२
२३. श्रद्धाञ्जलियाँ .... .... ५४

## द्वितीय खण्ड

( इतिहास, पुरातत्त्व एवं शोध )

१. प्राचीन भारतीय वस्त्र और वेशभूषा
गोकुलचन्द्र जैन, एम० ए० .... .... ५७
२. 'बप्पभट्टि चरित्' ऐतिहासिक महत्त्व
हरि अनन्त फड़के .... .... ७१

३. महाकवि रइधू युगीन अग्रवालों की साहित्य सेवा
डा० राजाराम जैन, एम०ए०पी०एच०डी० .... .... ७५
४. हिन्दी आदि काल के जैन प्रबन्ध काव्य
श्याम शर्मा, एम०एस०सी०, एम०ए० साहित्यरत्न .... ८३
५. जैन संस्कृति में नारी के विविध रूप
प्रेमसुमन जैन .... .... ९१
६. जैन समाज के आन्दोलन
स्वामी सत्यभक्त .... ....१०१
७. मथुरा की प्राचीन कला में समन्वय भावना
कृष्णदत्त वाजपेयी .... ....१०७
८. भट्टारक युगीन जैन संस्कृत साहित्य की प्रवृत्तियां
डा० नेमीचन्द्र शास्त्री .... ...१११
९. पंच कल्याणक तिथियां और नक्षत्र
मिलापचन्द्रजी कटारिया .... ....१२१
१०. जैन ग्रंथों में राष्ट्रकूटों का इतिहास
रामवल्लभ सौमानी .... ....१२९
११. भारतीय साहित्य में सीता हरण प्रसंग
डा० छोटेलाल शर्मा एम०ए० पी०एच०डी० .... ....१३५
१२. आचार्य हेमचंद्र की दृष्टि में भारतीय समाज
डा० जयशंकर मिश्र एम०ए०पी०एच०डी० .... ....१४१
१३. ५ वीं शती के ग्रन्थ वसुदेव हिन्डी की रामकथा
अगरचन्द नाहटा .... ....१५३
१४. अग्रवालों का जैनधर्म में योगदान
परमानन्द शास्त्री .... ....१६१
१५. हिन्दी का आदि काल और जैन साहित्य
डा० छविनाथ त्रिपाठी .... ....१७३
१६. दो ऐतिहासिक रचनाएँ
भँवरलाल नाहटा .... ....१७९
१७. राष्ट्रीय संग्रहालय में मध्यकालीन जैन प्रस्तर प्रतिमाएँ
बृजेन्द्रनाथ शर्मा, एम०ए० .... ....१८३
१८. आचार्य जिनेश्वर और खरतर गच्छ
म० विनयसागर, साहित्यमहोपाध्याय, साहित्याचार्य, जैनदर्शन शास्त्री, साहित्यरत्न, शास्त्र विशारद ....१८७

१६. जैनधर्म की प्राचीनता और सार्वभौमिकता
डा० देवेन्द्रकुमार शास्त्री एम०ए०पी०एच०डी० .... ....१६७
२०. बीसवीं सदी विक्रमी के जैन सन्त योगी श्रीमद् राजचन्द्रजी
श्री कस्तूरमल बांठिया .... ....२१३
२१. जैन ज्योतिष के प्राचीनतमत्व पर संक्षिप्त विवेचन
वैद्य प्रकाश चन्द्र पांड्या, आयुर्वेदाचार्य .... ....२२१
२२. राजस्थान के कतिपय प्रमुख दिगम्बर जैन मंदिर
अनूपचन्द्र न्यायतीर्थ, साहित्यरत्न .... ....२३३
२३. जैन दर्शन के प्रमुख प्रवक्ता आचार्य समन्तभद्र
प्रो० उदयचन्द्र जैन एम०ए० .... ....२३६
२४. प्रातः स्मरणीय सन्त गणेश वर्णी
नीरज जैन .... ....२४५
२५. आगमों और त्रिपिटकों के संदर्भ में अभयकुमार
मुनि श्री नगराजजी .... ....२५१
२६. भारत की जैन जातियाँ
भँवरलाल पोल्याका जैनदर्शनाचार्य .... ....२५६

## तृतीय खण्ड

### ( साहित्य, धर्म और दर्शन )

१. जैनदर्शन, पाश्चात्य दर्शन और विज्ञान में : आकाश और काल
मुनि श्री महेन्द्र कुमार जी द्वितीय .... ....२६५
२. भूधरदास कृत पार्श्वपुराण और उसमें पशु-पक्षि वर्णन
डा० महेन्द्रसागर प्रचण्डिया, एम०ए० पी०एच० डी० ....२७६
३. समाधि योग
आचार्य श्री रजनीशजी .... ....२८७
४. आचार्य सोमदेव और उनका यशस्तिलक चम्पू
मुनि श्री विद्यानन्दजी महाराज .... ....२९१
५. जैन साहित्य में शान्त रस
डा० नरेन्द्र भानावत एम०ए०पी०एच०डी० .... ....२९७
६. साहित्य; व्युत्पत्ति और परिभाषा
डा० रवीन्द्र कुमार एम०ए०पी०एच०डी० .... ....३०५

७. फागु काव्य की नवोपलब्ध कृतियाँ
डा० कस्तूरचन्द कासलीवाल, एम०ए०पी०एच०डी० ····३१३

८. जैनदर्शन में अर्थाधिगम चिन्तन
दरबारीलाल कोठिया ···· ····३२५

९. दर्शन और विज्ञान में आत्मा
'उदय' नागोरी जैन बी० ए० सिद्धान्त ···· ····३३१

१०. दृष्टिकोणों का दृष्टिकोण
कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' ···· ····३४१

११. गंगनरेश मारसिंह की सल्लेखना
✓ विद्याभूषण पं० के० भुजबली शास्त्री ···· ····३४५

१२. भारतीय जीवन नद के दो किनारे
स्व० श्री सत्यदेव विद्यालंकार ···· ···३४९

१३. अपभ्रंश साहित्य और मणिधारी श्री जिनचन्द्र सूरि कृत 'व्यवस्था शिक्षा कुलकम्'
डॉ० हीरालाल माहेश्वरी, एम०ए०, एल०एल०बी०, डि० फिल् ····३५५

१४. संस्कृत के जैन सन्देश काव्य
गोपीलाल अमर एम०ए० 'साहित्यरत्न' ···· ····३६३

१५, वाग्भटालङ्कार : एक परिशीलन
अमृतलाल शास्त्री ···· ····३६९

१६. सिद्धसेन का अभेदवाद और दिगम्बर परम्परा
सिद्धांताचार्य पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री ···· ····३८१

१७. हिन्दी जैन भक्त कवियों की मधुर भावना
श्री रंजनसूरि देव ···· ····३८७

१८. निसीहिया या नसियाँ
हीरालाल सिद्धांतशास्त्री ···· ····३९३